# सोशल मीडिया:प्रमुख मुद्दे और नई चुनौतियाँ और युवाओं पर इसका प्रभाव

**डॉ शमामा मिर्ज़ा**
एसोसिएट प्रोफेसर,समाजशास्त्र विभाग
श्री जे0एन0एम0पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ

***शोध–सार***

*सोशल मीडिया मीडिया का सबसे हालिया रूप है और इसने दुनिया भर में आश्चर्यजनक वृद्धि हासिल की है। यह हर किसी की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। सोशल मीडिया एक बहुत व्यापक शब्द है और इसमें वास्तव में कई अलग–अलग प्रकार के मीडिया शामिल हैं, जैसे वीडियो, ब्लॉग इत्यादि। यह एक ऐसा स्थान है जहां आप अन्य लोगों के बारे में जानकारी प्रसारित कर सकते हैं सोशल मीडिया संचार का एक माध्यम है जिसके द्वारा लोग अपने विचार दुसरो के साथ साझा कर सकते हैं। यह युवाओं को विभिन्न तरीकों से खुद को सशक्त बनाने के लिए कई तरह के लाभ और अवसर प्रदान करता है। इसके माध्यम से युवा लोग सामाजिक संपर्क बनाए रख सकते हैं और पहले से कहीं अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह एक ऐसा स्थान बन गया है जहां हम व्यापार या अवकाश या दूसरों के साथ समाजीकरण या अन्य उद्देश्यों के लिए कई घंटे बिता सकते हैं। वर्तमान अध्ययन में यह पता लगाने का प्रयास किया गया है कि सोशल मीडिया के उपयोग में युवाओं, विशेषकर कॉलेज के छात्रों के विभिन्न क्षेत्रों में क्या प्रभाव है। इस अध्ययन में लखनऊ शहर और उसके आसपास के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से यादृच्छिक रूप से चुने गए 200 छात्रों का अध्ययन किया गया है।*

***मुख्य शब्दः*** *सोशल मीडिया, सोशल नेटवर्क, युवा*

## परिचय

सोशल मीडिया मीडिया का सबसे हालिया रूप है और इसने दुनिया भर में आश्चर्यजनक वृद्धि हासिल की है। यह हर किसी की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। सोशल मीडिया एक बहुत व्यापक शब्द है और इसमें वास्तव में कई अलग–अलग प्रकार के मीडिया शामिल हैं, जैसे वीडियो, ब्लॉग इत्यादि। यह एक ऐसा स्थान है जहां आप अन्य लोगों के बारे में जानकारी प्रसारित कर सकते हैं।

सोशल मीडिया संचार का एक माध्यम है और यह सभी को सामग्री साझा करने देता है जिसे अन्य लोग अपने ऑनलाइन कनेक्शन के साथ साझा कर सकते हैं। यह युवाओं को विभिन्न तरीकों से खुद को सशक्त बनाने के लिए कई तरह के लाभ और अवसर प्रदान करता है। युवा लोग सामाजिक संपर्क बनाए रख सकते हैं और पहले से कहीं अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह एक ऐसा स्थान बन गया है जहां हम व्यापार या अवकाश के उद्देश्य या दूसरों के साथ सामाजिककरण या अन्य उद्देश्यों के लिए कई घंटे बिताते हैं। सोशल मीडिया सोशल मीडिया इनपुट, संचार, साझाकरण और सहयोग की किस्मों के लिए समर्पित ऑनलाइन संचार स्रोतों के लिए सामूहिक चौनलों का एक समूह है। यह विशेष रूप से वेबसाइटों पर आधारित है, एप्लिकेशन, ब्लॉगिंग, सोशल नेटवर्किंग, सोशल बुकमार्किंग, और विकी विभिन्न प्रकार के सोशल मीडिया हैं। सोशल मीडिया इंटरेक्टिव वेब 2.0 इंटरनेट–आधारित एप्लिकेशन है। उपयोगकर्ता द्वारा निर्मित सामग्री, जैसे टेक्स्ट पोस्ट या टिप्पणियां, डिजिटल फोटो या वीडियो, और सभी ऑनलाइन के माध्यम से उत्पन्न डेटा ,सोशल मीडिया की ही देन है। यह परिवार के करीबी सदस्यों के संपर्क में रहना आसान बनाता है। कोई भी अपडेट लिखने में 15 सेकंड से कम समय लगता है और सोशल नेटवर्क पर पोस्टिंग के

स्विच ऑन होने के साथ ही यह अपडेट उन सभी तक पहुंच जाते हैं, जिन तक आप इसे पहुंचाना चाहते हैं। यह युवाओं को खुद को अभिव्यक्त करने के लिए जगह प्रदान करता है और सामाजिक कौशल विकसित करने में मदद करता है जो उन्हें प्रासंगिक रूप से विभिन्न स्थितियों का मूल्यांकन और व्याख्या करने में सक्षम बनाता है और बाद में वह स्थितियों के लिए खुद को मानसिक रूप से तैयार कर सकते है।

उपरोक्त चर्चा के अनुसार यह स्पष्ट है कि सोशल मीडिया युवाओं के जीवन में एक प्रमुख भूमिका निभाता है, हालांकि यह स्पष्ट है कि इसका नकारात्मक प्रभाव भी है।

**अध्ययन का महत्व**

पिछले दो दशकों में पारंपरिक मीडिया का नए मीडिया के रूप में तेजी से परिवर्तन देखा गया है जिसमें डिजिटल, कम्प्यूटरीकृत और नेटवर्क सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है। समाज का हर वर्ग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी आभासी उपस्थिति चाहता है। अतः यह जानने की जरूरत है कि सोशल मीडिया ने इतना अधिक ध्यान क्यों खींचा है, क्योंकि यह अन्य पारंपरिक मीडिया के लिए एक तीव्र खतरा पैदा कर रहा है।

**सोशल मीडिया की प्रमुख विषेशताएं**

**फ्री वेब स्पेसः** सोशल मीडिया वेबसाइटें अपने उपयोगकर्ताओं को उनकी व्यक्तिगत सामग्री अपलोड करने के लिए मुफ्त वेब स्पेस प्रदान करती हैं।

**अद्वितीय वेब पताः** सोशल मीडिया अपने उपयोगकर्ताओं को अपनी एक विशिष्ट पहचान के लिए एक व्यक्तिगत विशिष्ट वेब पता प्रदान करता है, जिससे वे अपनी सामग्री साझा कर सकते हैं। यह तब तक बरकरार रहता है जब तक वे अपना आनलाइन खाता बनाए रखते हैं।

**प्रोफाइल बनाने की संभावनाः** व्यक्तिगत प्रोफाइल बनाने की संभावना के साथ, सोशल मीडिया एक व्यक्ति को एक दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए तथा समान विचारधारा वाले लोगों को एक दूसरे तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।

**दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ वर्चुअल कनेक्शनः** सोशल मीडिया वेबसाइट वर्चुअल मीटिंग के लिए प्लेटफार्म भी बनाती है। जो लोग एक–दूसरे से मीलों दूर हैं, वे ऐसे वेबसाइट सक्षम चौट इंजनों के माध्यम से एक–दूसरे के संपर्क में आ सकते हैं। वेबसाइटें मूल्यवान फाइलों, फोटो और मल्टीमीडिया सामग्री को एक दूसरे के साथ साझा करना भी संभव बनाती हैं।

**रीयल टाइम सामग्री अपलोड सुविधाः** सोशल मीडिया के माध्यम से, दर्शकों के लिए अपनी व्यक्तिगत सामग्री या अन्य फाइलों को अपलोड करने का मौका मिलना संभव है क्योंकि सेवाएं साल में सभी 365 दिनों के लिए चौबीसों घंटे खुली रहती हैं।

**टाइम स्टैम्पः** सोशल मीडिया में प्रत्येक पोस्ट पर एक टाइम स्टैम्प होता है जो दर्शाता है कि पोस्ट ताजा है या पुरानी है। पोस्ट की ताजगी के आधार पर, प्रत्युत्तरकर्ता या तो प्रत्युत्तर देना चुन सकता है या प्रत्युत्तर नहीं देना चुन सकता है।

**गोपनीयताः** सोशल मीडिया द्वारा पेश की गई प्राथमिक चुनौतियों में गोपनीयता प्रमुख है। बहुत से लोग अपनी निजता खोने के डर से बातचीत में भाग लेने से खुद को रोकते हैं।

**विकलांग लोगों के लिए एक्सेसः** यूएस के पुनर्वास अधिनियम की धारा 508 नेत्रहीन और श्रवण बाधित लोगों सहित विकलांग लोगों के लिए संघीय वेबसाइटों को सुलभ बनाने के लिए दिशा निर्देश प्रदान करती है।

**सोशल मीडिया पर वाणिज्यिक विज्ञापनः** सोशल मीडिया पर विज्ञापन भी दिए जाते हे पर विज्ञापनों में सेंसर की औपचारिकताओं का पालन करना

चाहिए और विज्ञापनों में अश्लील सामग्री से बचा जाना चाहिए, जो की सोशल नेटवर्किंग का मुख्य उद्देश्य है।

**समझौतों की शर्तें:** अधिकांश सोशल मीडिया साइट्स दर्शकों को समझौते की शर्तों को स्वीकार करने के बाद एक खाता बनाने की अनुमति देती हैं, जो अक्सर अस्पष्ट होती हैं। समझौते की शर्तों की व्याख्या कई तरीकों से की जा सकती है।

**सुरक्षा संबंधी चिंताएं:** सोशल मीडिया साइट्स व्यक्तिगत जानकारी और अन्य संबंधित डेटा की सुरक्षा के लिए एक समान खतरा हैं। वेबसाइटों की हैकिंग सबसे आम विशेषता है; हैकिंग के साथ सोशल मीडिया के दर्शकों के लिए एक आसन्न खतरा है। यह सोशल मीडिया द्वारा प्रस्तुत एक और महत्वपूर्ण चुनौती बन गया है।

**धोखा:** सोशल नेटवर्किंग साइट्स से जुड़ने वाले व्यक्ति की पहचान असली या नकली हो सकती है। साथी उपयोगकर्ता को उसकी पहचान की सत्यता ज्ञात नहीं होती है।

## साहित्य की समीक्षा

जंको, हाइबर्गर्ट, और लोकेन (2010) यह बताता है कि सोषल मीडिया कंप्यूटर की मध्यस्थता वाली प्रौद्योगिकियां हैं जो आभासी समुदायों और नेटवर्क के माध्यम से सूचनाओं, विचारों, करियर के हितों और अभिव्यक्ति के अन्य रूपों को बनाने और साझा करने की अनुमति देती हैं। वर्तमान में उपलब्ध विभिन्न प्रकार की स्टैंड अलोन और अंतर्निर्मित सोशल मीडिया सेवाएं अनेक चुनौतियों का परिचय देती हैं (वाट्स, डंकन जे., 2003)। सोशल मीडिया, सोशल साफ्टवेयर आंदोलन से प्राप्त, इंटरनेट वेबसाइटों, सेवाओं और प्रथाओं का एक संग्रह है जो सहयोग, सामुदायिक निर्माण, भागीदारी और सूचनाएं साझा करने का समर्थन करता है।

सिस्को (2011) ने अपने अध्ययन में खुलासा किया कि कष्लेज के 95 प्रतिशत छात्रों ने स्वीकार किया कि इंटरनेट उनके जीवन में उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि भोजन, पानी, आश्रय और हवा। लगभग 64 प्रतिषत छात्रों ने कार के बजाय इंटरनेट कनेक्शन चुनना स्वीकार किया। अध्ययन ने यह भी निष्कर्ष निकाला कि पांच में से चार कॉलेज के छात्रों ने साक्षात्कार में माना कि इंटरनेट उनके जीवन का महत्वपूर्ण और आवश्यक हिस्सा था। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि युवाओं में कागज का उपयोग कम हो गया था, क्योंकि पिछले दो वर्शों में 40 प्रतिशत छात्रों ने एक बाजार से किताब नहीं खरीदी थी। सर्वे में भारतीय छात्रों में फेसबुक का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया गया। 92 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने अपने खातों की प्रतिदिन जाँच की, जबकि एक तिहाई ने दिन में पाँच बार अपने खाते की जाँच की।

पार्वती और सुचित्रा के अनुसार, (2015) सोशल नेटवर्किंग साइट युवाओं को ज्ञान का आदान–प्रदान करने, रोजगार खोजने और उनमें सामाजिक भागफल खोजने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करने का एक मंच है। युवा विशेष रूप से रुचि रखते हैं और व्यक्तिगत अनुभव, वीडियो और तस्वीर को साझा करे । युवाओ पर् इसके दो मुख्य प्रभाव हैं एक सकारात्मक प्रभाव है, और दूसरा नकारात्मक प्रभाव है। सकारात्मक प्रभाव में इस ने विभिन्न पहलुओं में युवा आबादी को मदद की। अब एक अनुभवी व्यक्ति सामग्री साझा करने और षोध उद्देश्य का उपयोग करने के लिए इसका प्रयोग करता हे परंतु नकारात्मक प्रभाव में लंबे समय तक उपयोग करने के लिए जैसे प्रति व्यक्ति औसत समय 9 से 10 घंटे बिताने से स्वास्थ्य पर असर पड़ता हे जो ठीक नहीं हे ।

## अध्ययन का उद्देश्य

- सोशल मीडिया में युवाओं की भागीदारी की सामाजिक जनसांख्यिकीय विषेशताओं का अध्ययन करना।

- युवाओं के बीच सोशल नेटवर्किंग साइटों के उपयोग का पता लगाना।
- युवाओं के निजी जीवन पर सोशल नेटवर्किंग के प्रभावों की पहचान करना।

## क्रियाविधि

इस अध्ययन में शोध की मात्रात्मक पद्धति का प्रयोग किया गया है। जैसा कि व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है, अनुसंधान की मात्रात्मक पद्धति में निष्कर्षों की पर्याप्त और सटीक व्याख्या शामिल है। यह विधि इस अध्ययन के लिए उपयुक्त है क्योंकि इसका उद्देश्य युवाओं में सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन करना है। इस विधि के तहत जिस तकनीक का उपयोग किया गया हे वह मानक सर्वेक्षण दृष्टिकोण और मूल्यांकन है, जिसका उपयोग आमतौर पर उत्तरदाताओं के अनुसार राय तलाशने के लिए किया जाता है जो पूरी आबादी का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। सर्वेक्षण पद्धति भी इस अध्ययन में उपयुक्त है क्योंकि यह शोधकर्ता को सामान्यीकरण तैयार करने में सक्षम बनाती है।

वर्तमान अध्ययन में यह पता लगाने का प्रयास किया गया है कि सोशल मीडिया के उपयोग से युवाओं के विशेष रूप से कला और विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में कॉलेज के छात्रों क ऊपर किस प्रकार का प्रभाव पड़ता हे यह पता लगाने का प्रयास किया गया है। इस अध्ययन में लखनऊ शहर और उसके आसपास के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से यादृच्छिक रूप से चुने गए 200 छात्रों का अध्ययन किया गया है।

## डेटा के स्रोत

प्राथमिक डेटा प्रश्नावली, चर्चा और साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से एकत्र किया गया हे, जबकि द्वितीयक आंकड़े विभिन्न पत्रिकाओं, पत्रिकाओं, वेबसाइटों और रिपोर्टों से एकत्र किए गए हैं।

## सैद्धांतिक ढांचा

यह अध्ययन यूनिफाइड थ्योरी ऑफ एक्सेप्टेंस एंड यूज ऑफ टेक्नोलाजी (UTAUT) के सैद्धांतिक ढांचे पर लागू होता है, जो वेंकटेश और अन्य लोगों द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी की उपयोगकर्ता स्वीकृतिः एक एकीकृत दृष्टिकोण में तैयार किया गया एक प्रौद्योगिकी स्वीकृत मंडल है। UTAUT का उद्देश्य सूचना प्रणाली और इसके उपयोग व्यवहार का उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ता के इरादों की व्याख्या करना है। इस सिद्धांत के चार प्रमुख निर्माण हैंः

1) प्रदर्शन प्रत्याशा, 2) प्रयास प्रत्याशा, 3) सामाजिक प्रभाव, और 4)परिस्थितियों को सुविधाजनक बनाना। पहले तीन उपयोग और व्यवहार के प्रत्यक्ष निर्धारक हैं, और चौथा उपयोगकर्ता व्यवहार का प्रत्यक्ष निर्धारक है। उपयोग के इरादे और व्यवहार पर चार प्रमुख निर्माणों के प्रभाव को नियंत्रित करने के लिए लिंग, आयु, अनुभव और उपयोग की स्वैच्छिकता को माना जाता है। सिद्धांत को आठ मडंलों के निर्माणों की समीक्षा और समेकन के माध्यम से विकसित किया गया था जो पहले के शोध में सूचना प्रणाली उपयोग व्यवहार (तर्क संगत कार्रवाई का सिद्धांत, प्रौद्योगिकी स्वीकृति मंडल, प्रेरक मडंल, नियोजित व्यवहार का सिद्धांत, नियोजित व्यवहार का एक संयुक्त सिद्धांत) की व्याख्या करने के लिए नियोजित किया गया था। प्रौद्योगिकी स्वीकृति मडंल, व्यक्तिगत कंप्यूटर उपयोग का मडंल, नवाचार सिद्धांत का प्रसार, और सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत)। वेंकटेश एट अल द्वारा बाद में सत्यापन। (2003) UTAUT के एक अनुदैर्ध्य अध्ययन में यह पाया गया कि यह उपयोग करने के लिए व्यवहारिक इरादे (BI) में 70% और वास्तविक उपयोग में लगभग 50% प्रभावशाली है।

## विश्लेषण तथा व्याख्या

उपयोग किए गए ढांचे के अनुसार, अध्ययन युवाओं के बीच सोशल मीडिया के प्रभाव का विश्लेषण करना है जिसमें पहुंच, उपयोग जैसे

विभिन्न कारक शामिल हैं; प्रभावों पर चर्चा की जाती है और मैट्रिक्स के रूप में मापा जाता है।

**टेबल–एक**

**सामाजिक जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल के आधार पर उत्तरदाताओं का मैट्रिक्स वितरण**

| **क्रमसं** | **समाजिक-जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल** | | **कुल** |
|---|---|---|---|
| 1 | लिंग | पुरुष | 123 |
| | | महिला | 77 |
| | | **कुल** | **200** |
| 2 | आयु | पुरुष | 148 |
| | | महिला | 52 |
| | | कुल | 200 |
| 3 | शिक्षा | पुरुष | 112 |
| | | महिला | 88 |
| | | **कुल** | **200** |

युवाओं के बीच सोशल मीडिया पर प्रभाव हासिल करने में सामाजिक जनसांख्यिकीय स्थितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। लिंग, आयु, शिक्षा जैसे प्रमुख निर्धारक सोशल मीडिया में युवाओं को प्रभावित करते हैं। जब लिंग को प्रमुख सामाजिक आर्थिक स्थिति के रूप में देखा जाता है, 200 उत्तरदाताओं में से 123 (61.5 प्रतिशत) उत्तरदाता पुरुष हैं और 77 (38.5 प्रतिशत) उत्तरदाता महिलाएं हैं। उत्तरदाताओं के आयु–वार वितरण का विश्लेषण करते समय, 200 उत्तरदाताओं में से 148 (74 प्रतिशत) उत्तरदाता 18–24 आयु वर्ग के बीच हैं, 52 (26 प्रतिशत) उत्तरदाता 25-30 आयु वर्ग के बीच हैं। जब शिक्षा की बात आती है, तो 200 उत्तरदाताओं में से 112 (56 प्रतिशत) उत्तरदाता स्नातक की पढ़ाई कर रहे हैं, 88 (44 प्रतिशत) उत्तरदाता अपनी स्नातकोत्तर डिग्री कर रहे हैं।

**टेबल–दो**

**सोशल मीडिया पर पहुंच के आधार पर उत्तरदाताओं का मैट्रिक्स वितरण**

| क्रमसं | सोशल मीडिया पर पहुंच | | कुल |
|---|---|---|---|
| 1 | डिवाइस के प्रकार | स्मार्टफोन | 155 |
| | | अन्य स्रोत | 45 |
| | | **कुल** | **200** |
| 2 | सामाजिक नेटवर्क का उपयोग | फेसबुक | 40 |
| | | ट्विटर | 10 |
| | | व्हाट्सएप | 100 |
| | | इंस्टाग्राम | 12 |
| | | लिंक्डइन | 3 |
| | | यूट्यूब | 10 |
| | | सभी | 25 |
| | | **कुल** | **200** |
| 3 | सामाजिक नेटवर्क तक | रोज रोज | 140 |
| | | प्रत्येक घंटे | 40 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | पहुंच | कभी – कभी | 10 |
| | | बिल्कुल नहीं | 10 |
| | | **कुल** | **200** |
| 4 | स्थिति अद्यतन | रोज रोज | 120 |
| | | प्रत्येक घंटे | 40 |
| | | कभी – कभी | 30 |
| | | बिल्कुल नहीं | 10 |
| | | **कुल** | **200** |

## स्रोत

सोशल मीडिया तक पहुंच की गणना में मोबाइल फोन, स्मार्ट फोन और अन्य इंटरनेट उपकरणों जैसे उपकरणों का उपयोग शामिल है, खासकर जब युवाओं की बात आती है। प्रमुख निर्धारक जैसे उपकरणों के प्रकार, सामाजिक नेटवर्क का उपयोग, पहुंच और स्थिति अद्यतन करना आमतौर पर युवाओं द्वारा सामाजिक नेटवर्क में किया जाता है। जब उपकरणों के प्रकार को देखा जाए तो स्मार्ट फोन और डेस्कटॉप, जैसे अन्य स्रोतों का उपयोग किया जा रहा है। 200 उत्तरदाताओं में से, 155 (7.5 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने स्मार्ट फोन का उपयोग किया और 45 (22.5 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने अन्य स्रोतों का उपयोग किया। सोशल नेटवर्क के उपयोग का विश्लेषण करते समय, 200 उत्तरदाताओं में से, 100 (50 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने व्हाट्सएप का इस्तेमाल किया, 40 (20 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने फेसबुक का इस्तेमाल किया, 12 (6 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने इंस्टाग्राम का इस्तेमाल किया, 20 (10 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने ट्विटर का इस्तेमाल किया और यू ट्यूब क्रमशः,3 (1.5 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने लिंक्डइन का इस्तेमाल किया। जब सामाजिक नेटवर्क पर पहुंच की बात आती है तो इसकी गणना प्रतिदिन, घंटों, कभी–कभी और बिल्कुल नहीं के रूप में जाती है। 200 उत्तरदाताओं में से, 140 (70 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के पास दैनिक पहुंच है, 40 (20 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के पास घंटे के आधार पर सामाजिक नेटवर्क पर पहुंच है, 10 (5 प्रतिशत) उत्तरदाता कभी–कभी सामाजिक नेटवर्क तक पहुंचते हैं, 10 (5 प्रतिशत) उत्तरदाताओं का केवल एक खाता है और सामाजिक नेटवर्क का उपयोग नहीं करते हैं। सोशल नेटवर्क पर स्टेटस अपडेट करते समय युवा हमेशा घंटे के आधार पर फोटो पोस्ट करके अपने अकाउंट को अपडेट करते हैं, रोजाना, कभी–कभी तो बिल्कुल भी नहीं। 200 उत्तरदाताओं में से, 120 (60 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने अपनी स्थिति को दैनिक रूप से अपडेट किया है, 40 (20 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने प्रति घंटा के आधार पर सामाजिक नेटवर्क पर अपनी स्थिति को अपडेट किया है, 30 (15 प्रतिशत) उत्तरदाताओं ने कभी–कभी अपनी स्थिति को अपडेट किया है, 10 (5 प्रतिशत) उत्तरदाताओं के पास केवल एक खाता है और वे सामाजिक नेटवर्क में अपनी स्थिति को अपडेट नहीं करते हैं।

## जाँच –परिणाम

- 61.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं में से अधिकांश पुरुष हैं और 38.5 प्रतिशत उत्तरदाता महिलाएं हैं जिनकी सामाजिक नेटवर्क में पहुंच है।
- सामाजिक नेटवर्क का उपयोग करने वाले 74 प्रतिशत उत्तरदाताओं में से अधिकांश 18–24 आयु वर्ग के हैं।
- सामाजिक नेटवर्क का उपयोग करने वाले 56 प्रतिशत उत्तरदाताओं में से अधिकांश स्नातक छात्र हैं।

- 77.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं में से अधिकांश सोशल मीडिया तक पहुँचने के लिए स्मार्ट फोन का उपयोग करते हैं।
- 50 प्रतिशत उत्तरदाताओं में से अधिकांश व्हाट्सएप का उपयोग करते हैं।
- 70 प्रतिशत उत्तरदाताओं में से अधिकांश की सामाजिक नेटवर्क में दैनिक पहुंच है।
- टधिकांश 60 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने सामाजिक नेटवर्क में अपनी स्थिति को दैनिक रूप से अपडेट किया है।

## निष्कर्ष

सोशल मीडिया संचार के सबसे तेज़ माध्यमों में से एक है और युवाओं की व्यक्तिगत जीवन शैली को आकार देने में इसका बहुत बड़ा प्रभाव है। हालांकि युवाओं के बीच इसकी बहुत बड़ी पहुंच है, लेकिन इसके कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हैं जिसमे हमेशा गोपनीयता के मुद्दों का सवाल प्रमुख होता है। सोशल नेटवर्क पर पूरी तरह से भरोसा करने से आमने–सामने संचार कम हो जाता है और इसके बजाय साइबर संचार होता है। जो लोग कम उम्र में हैं उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि सोशल नेटवर्क में साझा की गई जानकारी प्रामाणिक है या नहीं। वे हमेशा जनता का ध्यान आकर्षित करते हैं और अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करते हैं जो उनकी व्यक्तिगत जीवन शैली को प्रभावित करती है। छात्र हमेशा सोशल नेटवर्क में शामिल होते हैं और उनमें पढ़ाई, शारीरिक गतिविधियों आदि में एकाग्रता की कमी होती जा रही है। सोशल मीडिया में बहुत अधिक शामिल होने से भी लत लग सकती है जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक अलगाव हो सकता है। यद्यपि युवा प्रतिभाओं और अवसरों को सामने लाने के एक नए मंच के रूप में और समाज का भला करने के सकारात्मक तरीके के रूप में सोशल मीडिया का उपयोग करना एक बेहतर विकल्प है।

## ग्रन्थसूची

1. एलिस, मोरो (2017), लोकेशन एप्स आपके द्वारा देखे जाने वाले स्थानों के बारे में उपयोगकर्ता समीक्षाएं और सुझाव प्राप्त करने के लि,https:@www-lifewire-com@location&apps&for&user&reviews&tips&3485920
2. ठाकोर जोशी (2014) सोशल नेटवर्किंग इम्पैक्ट ऑन http:@ielts&toefl&english-blogspot in@2014@12@essaysocial&networking&impact&on&youth-html
3. बीबीसी (2009), ऑनलाइन नेटवर्किंग स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाती http @news-bbc-co-uk@2@hi@7898510-stm 19Qjojh2009A
4. कराडकर, अभिषेक (2015), छात्र जीवन पर सोशल मीडिया का http@www-technicianonline-com@opinion@article&d1142b70&5a92&11e5&86b4& cb7c98a6e45f-html
5. केली एस बर्न्स (2017), सोशल मीडिया ए रेफरेंस हैंडबुकरू ए रेफरेंस हैंडबुक, कंटेम्परारी वर्ल्ड इश्यूज, एबीसी–सीएलआईओ प्रकाशन लिंडा रोएडर, (2016), 14कारण आपको सोशल नेटवर्क से जुड़ना चाहिएश https:@www-lifewire com@join&asocial&network&2654297
6. मिशेल वालराव, कोएन पोनेट, एलेन वेंडरहोवन, जैक्स हैर्स, बारबरा सेगर्ट (सं.) यूथ2.0सोशल मीडिया एंड एडोलसेंसरू कनेक्टिंग, शेयरिंग एंड एम्पावरिंग, स्प्रिंगर पब्लिकेशन, (2014)
7. सिस्को (2011),क्या इंटरनेट एक मूलभूत मानवीय आवश्यकता है? क्या लचीली गतिशीलता नीतियों वाला कार्यस्थल वेतन जितना मूल्यवान है? सिस्को कनेक्टेड वर्ल्ड टेक्नोलॉजी रिपोर्ट2011।
8. पार्वती.जे,सुचित्रा.आर(2015),युवाओं पर सोशल नेटवर्किंग साइटों के उपयोग का प्रभाव, कंप्यूटर अनुप्रयोगों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल(0975–8887) खंड129 – नंबर 3, नवंबर 2015
9. डेनिएल रीड(2017), सोशल नेटवर्किंग साइट्स का नकारात्मक प्रभाव http:@socialnetworking-love to know.com@Negative&Impact&of&Social&NetworkinglkbV ij29 vDVwcj 201715:59:28GMTgSA
10. वत्स, डंकन जे। (2003) सिक्स डिग्रीरू द साइंस ऑफ़ ए कनेक्टेड एज,। लंदनः विंटेज. पी। 368. आईएसबीएन978.0.09.944496.1
11. वेंकटेश, विश्वनाथ; मॉरिस, माइकल जी.; डेविस, गॉर्डन बी.; डेविस, फ्रेड डी. (2003–01–01) सूचना प्रौद्योगिकी की उपयोगकर्ता स्वीकृतिरू एक एकीकृत दृ

ष्टिकोण की ओर एमआईएस तिमाही। 27 (3)425–478. जेएसटीओआर 30036540

12. जंको, आर, हेइबर्गर्ट, जी और लोकेन, ई।(2011)। कॉलेज के छात्र सगाई और ग्रेड पर ट्विटर का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर असिस्टेड लर्निंग, 27, 119&132.
13. आह, जे।(2011)। डिजिटल डिवाइड और सोशल नेटवर्क साइट्सरू सोशल मीडिया में कौन से छात्र भाग लेते हैं?45(2), 147-163A
14. आरएम भोला(2014), सोशल नेटवर्किंग – साइकियाट्री, ijrdh-com"
15. लोकिंग, टी.एम., कैस्टिलो ई.एस.डी.(2012ए 18 मार्च)। किशोरों के लिए सामाजिक नेटवर्किंग के प्रभाव।26 अप्रैल 2016 को http:@effectsofsocialnetworkingtoteenagers-blogspot-my@2012@03@fects&of&social&usVofdZaxto-htmlसे लिया गया।